भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 5621

दिनांक 27 मार्च, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

बिहार में कैंसर के मामले

5621. श्री सुधाकर सिंहः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने विगत तीन वर्षों के दौरान बिहार राज्य में विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में दर्ज किए गए कैंसर के मामलों में चिंताजनक वृद्धि का संज्ञान लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार का कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (पीएचसी) और जिला अस्पतालों में कैंसर की जांच और शीघ्र पता लगाने संबंधी केन्द्रों की स्थापना करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है;
(ग) क्या बिहार के बक्सर, कैमूर और रोहतास जिलों में कैंसर का शीघ्र पता लगाने/जांच के लिए सरकारी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं उपलब्ध हैं और यदि हां, तो ऐसे केन्द्रों का ब्यौरा क्या है और उनमें उपलब्ध कराए जाने वाले नैदानिक परीक्षणों के प्रकार क्या हैं; और
(घ) सरकार द्वारा उक्त जिलों में ऐसे जांच केन्द्रों की स्थापना के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) आईसीएमआर – राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुसार, वर्ष 2023 से 2025 के दौरान देश में कैंसर के मामलों की अनुमानित संख्या में वृद्धि हो रही है और बिहार राज्य से संबंधित विवरण नीचे संलग्न हैं:

बिहार में कैंसर के मामलों की अनुमानित संख्याएँ - सभी क्षेत्र - **(2023-2025)** – स्त्री-पुरूष दोनों के लिए			
वर्ष	2023	2024	2025
अनुमानित संख्याएँ	112180	115123	118136

(ख) से (घ) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत राष्ट्रीय गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के तहत देश भर के राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी एवं वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह कार्यक्रम कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के लिए अवसंरचनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करने, मानव संसाधन विकास, स्क्रीनिंग, शीघ्र निदान, रेफरल, उपचार और स्वास्थ्य संवर्धन पर केंद्रित है।

सामान्य गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम, नियंत्रण और स्क्रीनिंग के लिए जनसंख्या आधारित पहल पूरे देश में शुरू की गई है। इस पहल के अंतर्गत, 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को सामान्य एनसीडी की स्क्रीनिंग के लिए लक्षित किया गया है।

एनपी-एनसीडी के अंतर्गत, 770 जिला एनसीडी क्लीनिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 6,410 एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं, और वर्तमान में देश भर में कुल 479 डे केयर कैंसर सेंटर (डीसीसीसी) कार्यशील हैं। इसके अतिरिक्त, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग ने देश भर में 297 डीसीसीसी की स्थापना को मंजूरी दी है। बिहार राज्य में, वर्तमान में 17 डे केयर कैंसर सेंटर उपलब्ध हैं और वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान बक्सर और रोहतास सहित 21 अतिरिक्त केंद्रों की स्थापना को मंजूरी दी गई है।

*****